PART-**1**

अलेक्जेण्डर वॉन हम्बोल्ट की रचनाएँ

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

अलेक्जेण्डर वॉन हम्बोल्ट की रचनाएं (Writings of Humboldt)

हम्बोल्ट ने 1769 से लेकर मृत्यु पर्यतं (1859) अनेक लेख संग्रह और पुस्तकें प्रकाशित किया था। उनका सबसे अंतिम और महत्वपूर्ण ग्रंथ कासमास (Kosmos) है जिसके अंतिम खण्ड का प्रकाशन उनकी मृत्यु के पश्चात् 1862 में हुआ था। हम्बोल्ट की प्रमुख रचनाएं निम्नांकित हैं

(1) राइनलेण्ड बेसाल्ट- यह हम्बोल्ट का शोध ग्रंथ है जिसका प्रकाशन 1789 में हुआ था। इसमें राइन बेसिन की शैलों और खनिजों की विशेषताओं का वर्णन है।

(2) जिओग्नाजिया- भूगोल के विषय क्षेत्र और अध्ययन पद्धति से सम्बंधित यह पुस्तक 1793 में प्रकाशित हुई थी।

(3) नये महाद्वीप के भूमध्य रेखीय प्रदेश की यात्रा– फ्रांसीसी भाषा में लिखित यह पुस्तक 30 अंकों में 1815 से 1820 के मध्य

प्रकाशित हुई। यह हम्बोल्ट की दक्षिणी अमेरिका की यात्रा पर आधारित थी।

(4) मध्य एशिया (Asia Centrale)- यह पुस्तक 1829 में दो खण्डों में प्रकाशित हुई थी।

(5) मैक्सिको और क्यूबा का प्रादेशिक भूगोल-इसमें मैक्सिको तथा क्यूबा का हम्बोल्ट द्वारा किये गये पर्यवेक्षणों पर आधारित वर्णन है।

(6) कॉसमॉस (Kosmos)- यह हम्बोल्ट की सर्वाधिक महत्वपूर्ण पुस्तक है जो 1845 से 1862 के मध्य पाँच खण्डों में प्रकाशित हुई थी। इसमें समस्त विश्व का विस्तृत वर्णन है। इसके प्रथम खण्ड में ब्रह्माण्ड के स्वरूप का सामान्य वर्णन है। दूसरे खण्ड में प्रकृति के चित्रण और वर्णन में मानवीय प्रयासों के इतिहास की चर्चा है। तीसरे खण्ड में खगोल विज्ञान का वर्णन है। चौथे और पाँचवें खण्डों में पृथ्वी का मानव गृह के रूप में वर्णन है। इसमें पृथ्वी के भौतिक और जैविक नियमों के साथ ही मानव जीवन का वैज्ञानिक वर्णन भी सम्मिलित है।